

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.

The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

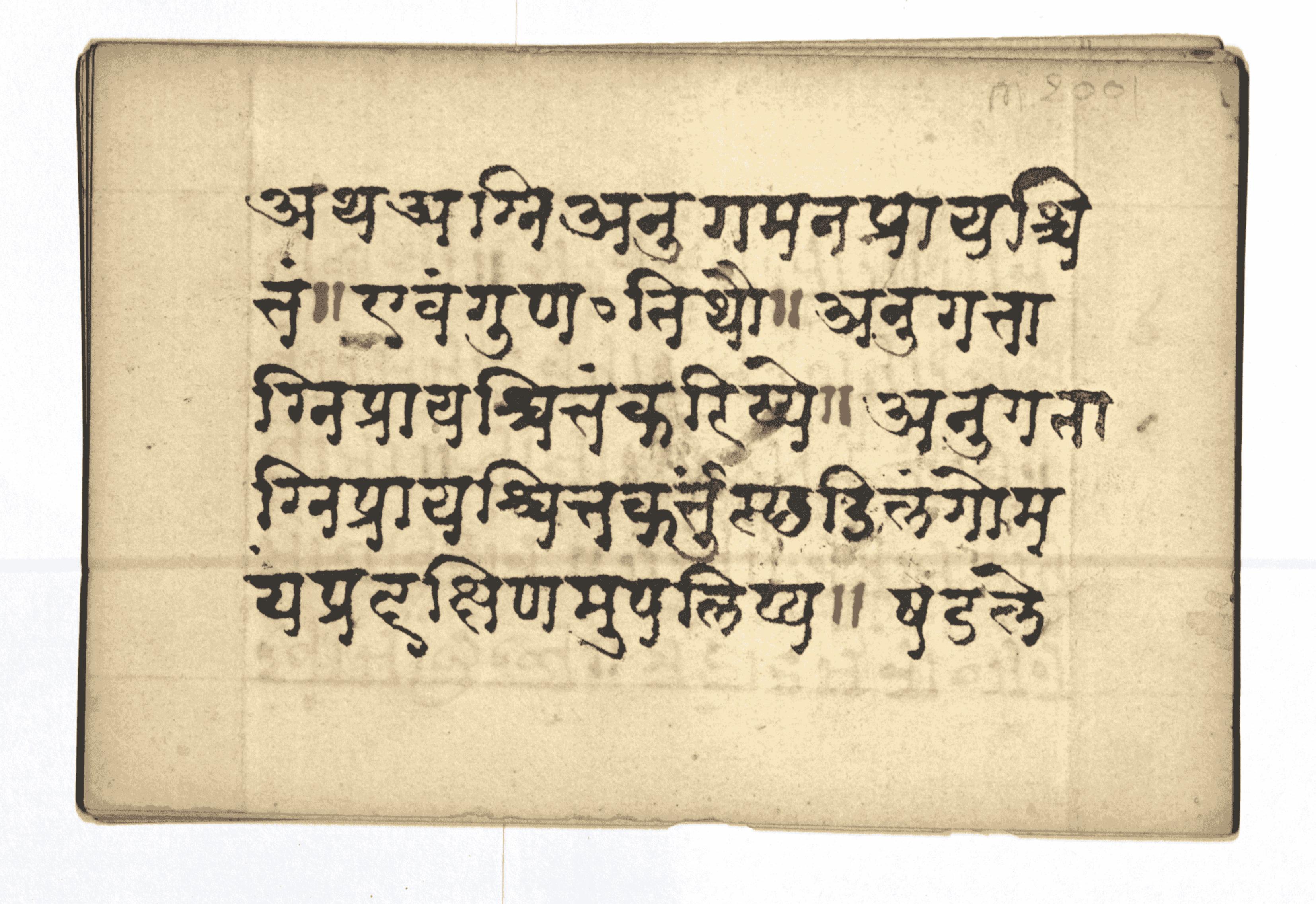
Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/



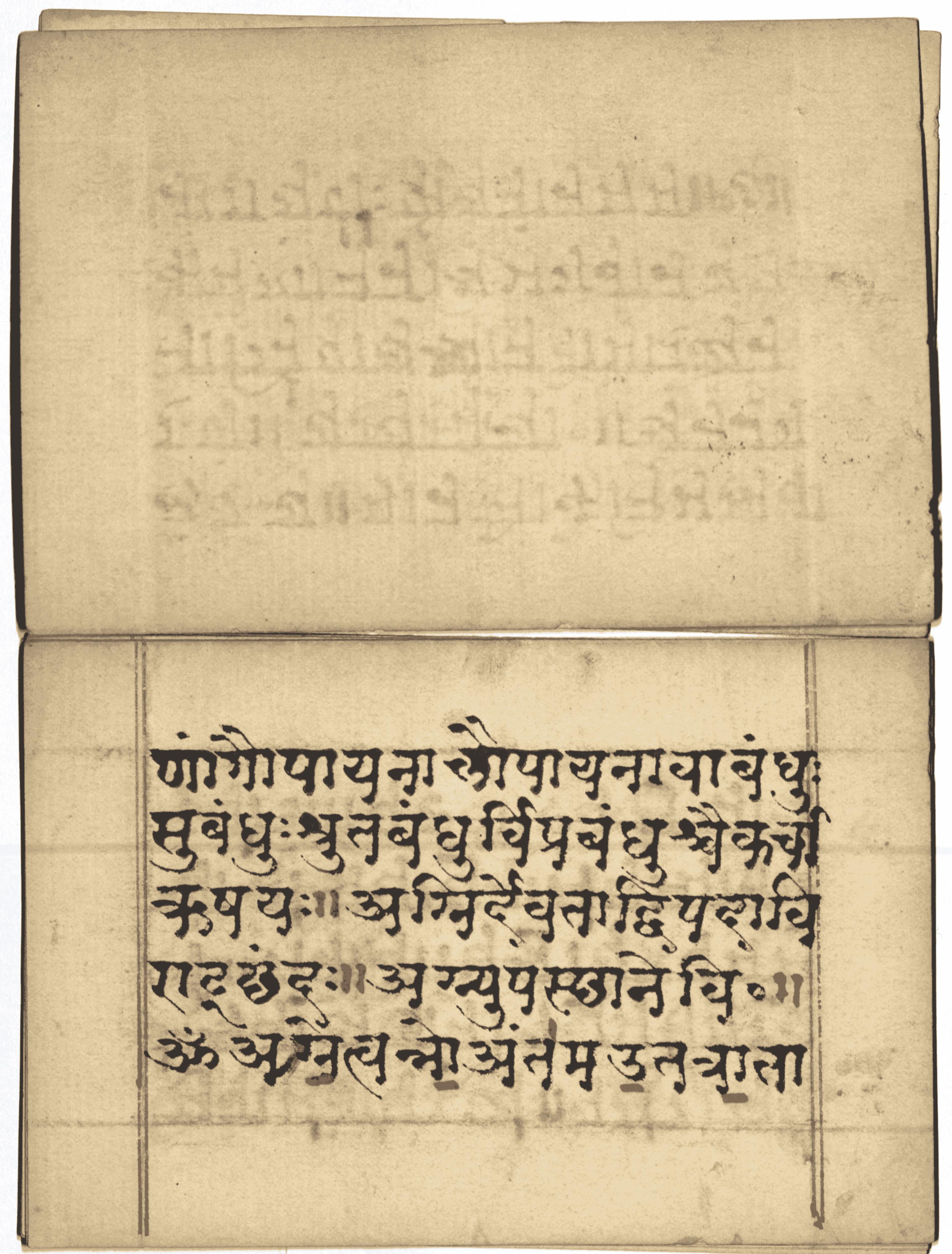


रवामुलिख्य॥ जुष्टोद्मुना॰मन सायविद्वान् ॥ गृद्याग्निप्रतिष्टाप् यामी।।त्योचेरिश्ंगितिध्यानं॥ यशिसमाहनपरिसन्णपारिय्श णुक्त्या॥अग्नेहत्त्वागाग्नि स्यनेषाज्यमधि श्रियज्वल्ता दमीणाच ज्वात्यााञ्जराष्ट्रामा वं विः प्रभासिनं ने व प्रनर्जि

स्याअयउपस्य स्याआसनतः भिष्ठोश्या दर्भनिधायान्दु परिआत्मस्खापना विश्वानि न इति अग्नि अलकरणाश्यु वणात्ममादाया अयाश्रीत

विमहायाळ जिः यं किः। अनु ग्नाग्नः प्रायश्चित्र अग्ने अग्ने स्पन् भृविकाळ अयाश्चाग्नस्पन भिद्यासिश्चसस्य मित्र म्याअ सि॥ अयासाव्यसार ताया सन्ह्यम् हिषयानोधि हिमेष् ज्ञाहा॥ अग्नेथ अयसहरू ॐभूमें यह स्वाहाण्य जापते यह देश परिस्तरणा स्वतर वि सन्ने मणिसम्हण स्वांश

लंकत्यामानलाकेतिमसाधा रणा यस्यस्यत्या वाञ्चन्या तानियाय-श्रीतहामाख्यन कर्मणानेन त्रिभगवान यस नारायणः प्रीयतानम्माधा



CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मिवा मंबा बुरू थ्यं ॥ वस्र गिनुर्व न्नमीमहेमार्चभ्यः॥तंत्त्वं न्यामहेवाग्निजनात्राञ्ज्य प्रसानिवाजगतन्त्र न्या

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

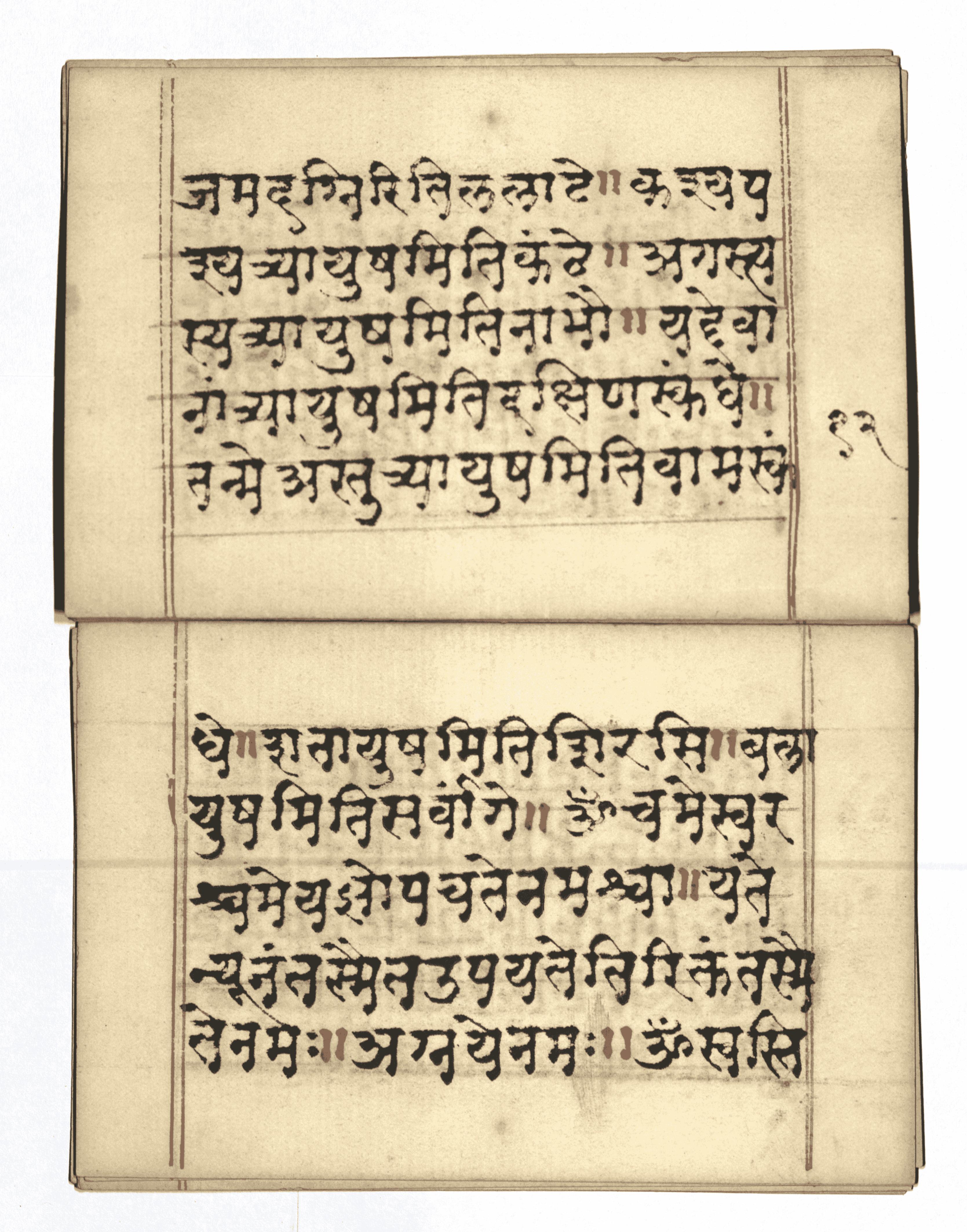
यत्जागुवाम्यामन् भंब जनया द्यम्नाहिर्पर्यगुभेरस्य हिरणयगर्भय जापति सिन्ध द्या यजापति उपस्कानचिना उन्हिर ण्युगर्भःसम्यर्नितारनभूनस्यजा १०

तः पात्ये आसान्॥ स्वद्यधार

CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

उपरकानि बिना अध्य जा यतेन्व चिम् सिग्रहणे चिना उक्त मान

CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection



CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

अस्मिधायुगः पुरमाचिद्याच्छ वि संपूर्ण गाँतिश्वातः॥या याश्वीता न्यनेका नित्यः कर्मा त्मिका नि वेगयानित्याम रोखाणां स्त्राम उसारणप्रां सत्यस्य समान्य स्मानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बनसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम्बन्धानसम

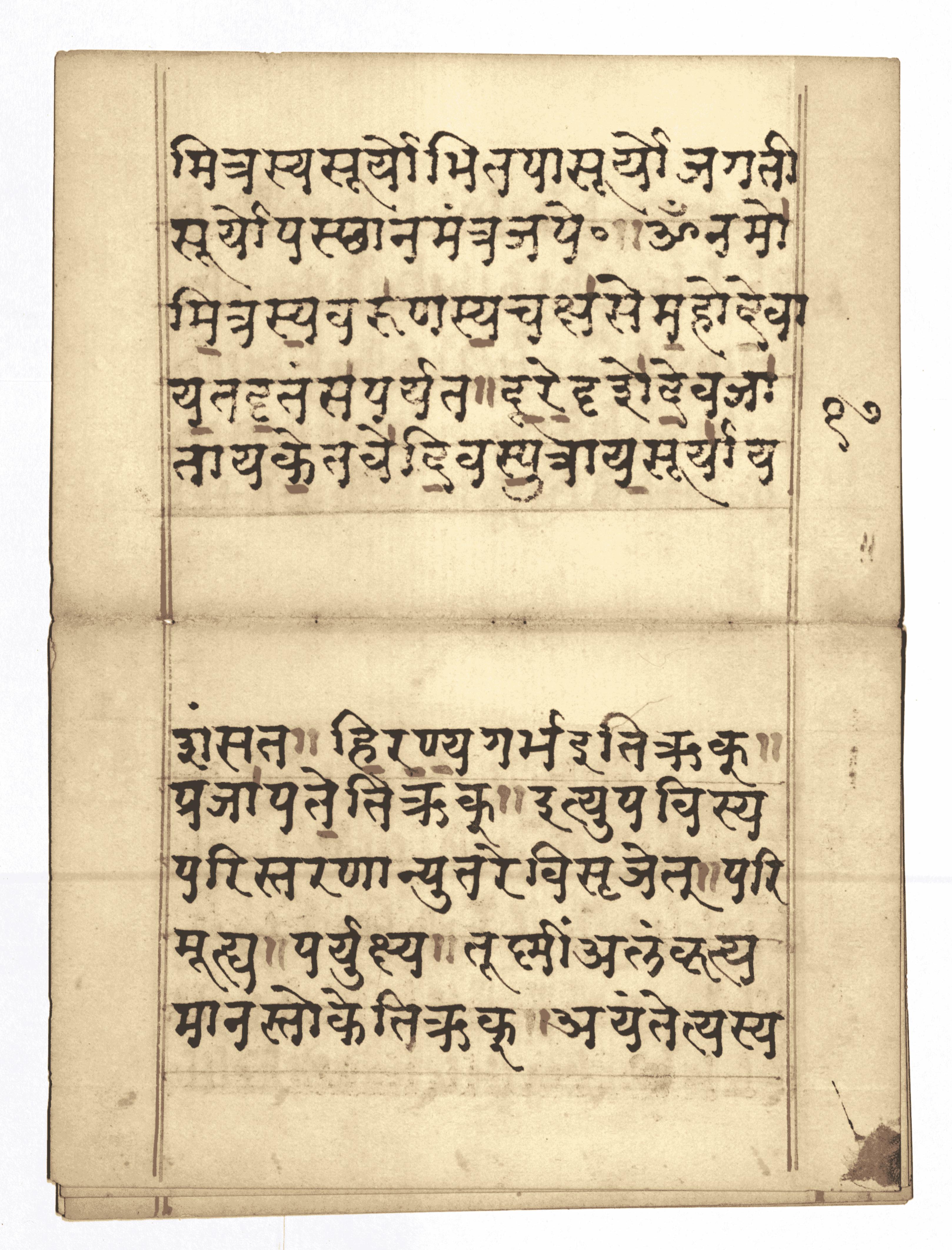
CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

गे॥स्वराधिवर्गस्यायुक्तायु नमानमायस्य स्थानामा किया गाञ्चन सायम औया यनार्व्य नक्षणाने न श्रीभग

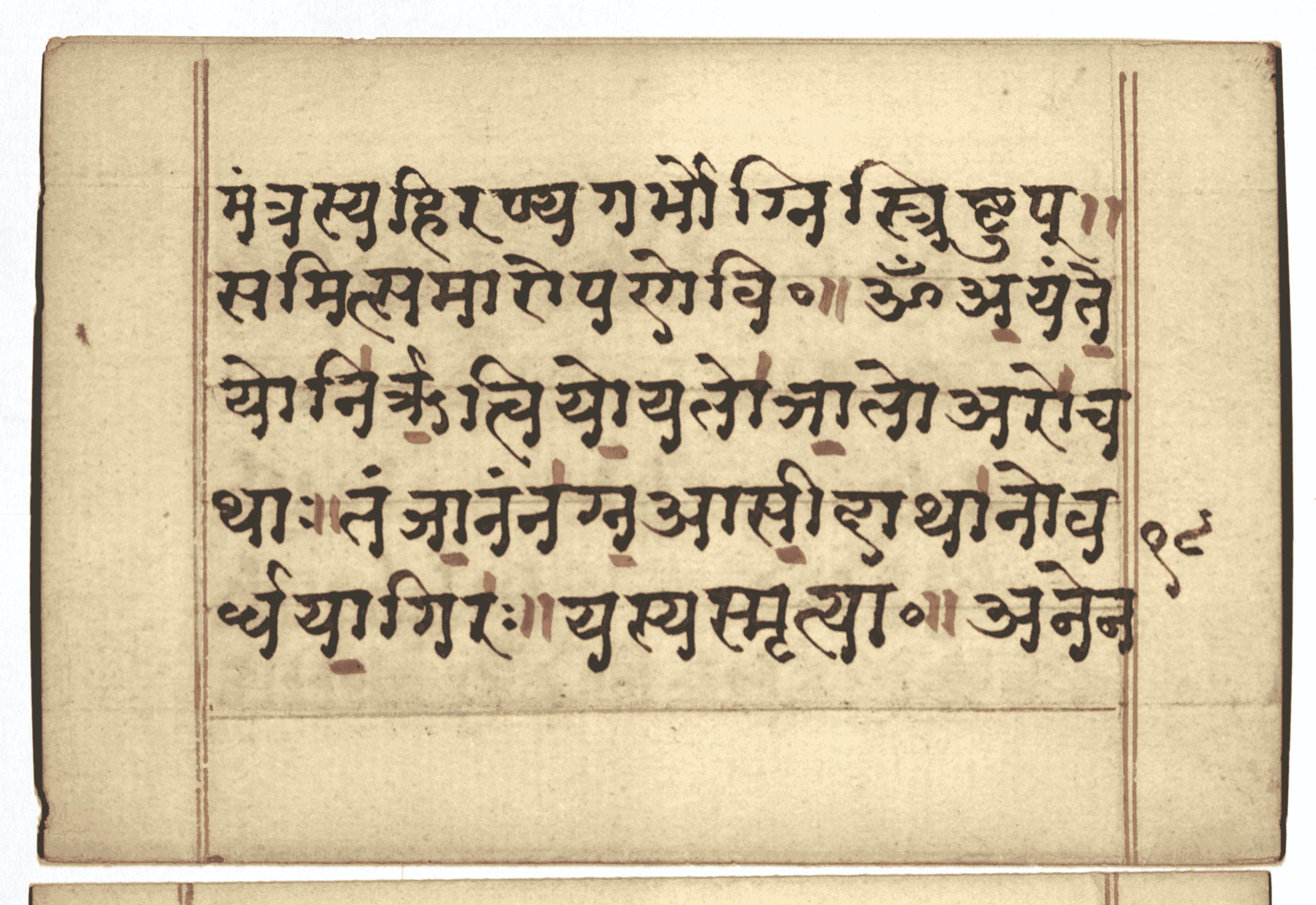
CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

प्तयस्याहा॥ प्रजापत्य युर्व्या प्रवेद त्परिसरणारिवसर्गवेवसातिष्ठन उप्यानस्या स्योनाहियसगार्य स्यस्यः चुशःस्यागायज्ञास्यािय स्खानमञ्जयविनियागः। अग्रवी दिवस्यात वाता अंति शाता

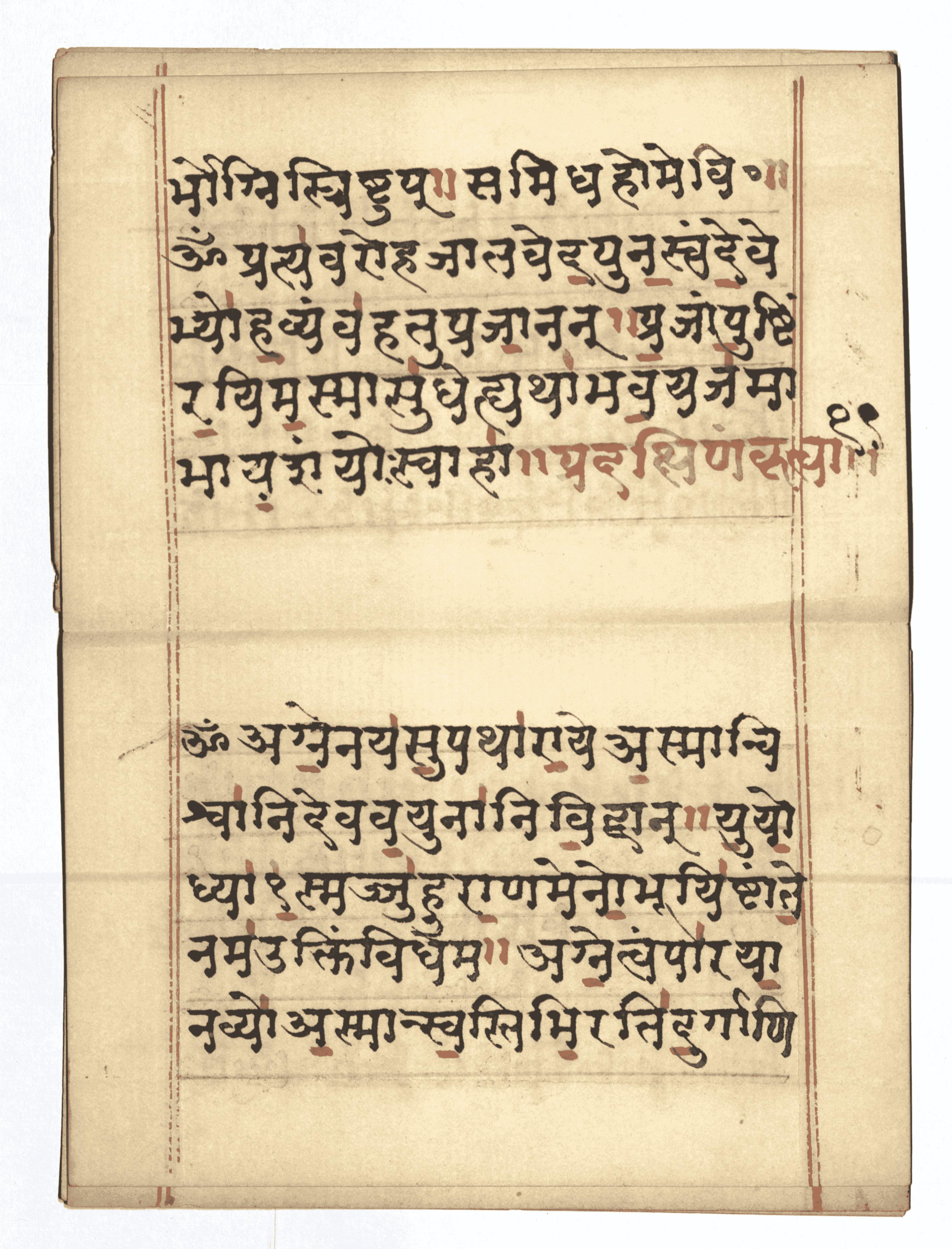
अग्निनःपार्थिवेभ्यः॥उद्यक्षणवः युक्तण्यः स्योगाय्त्री॥स्योपा स्कानमञ्जूषाद्वाञ्यद्वजा रसः युजः कुत्सः सूर्यक्षिष्ट्यासूर्यो प्रखान मंत्रज्ञा अविश्वानाम द्गाद्नीकं व्यम्ब्रह्माम्ब्रह्मा ग्नेः आयाद्याद्यायाय् थिद्यो अंत्रंस्



CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

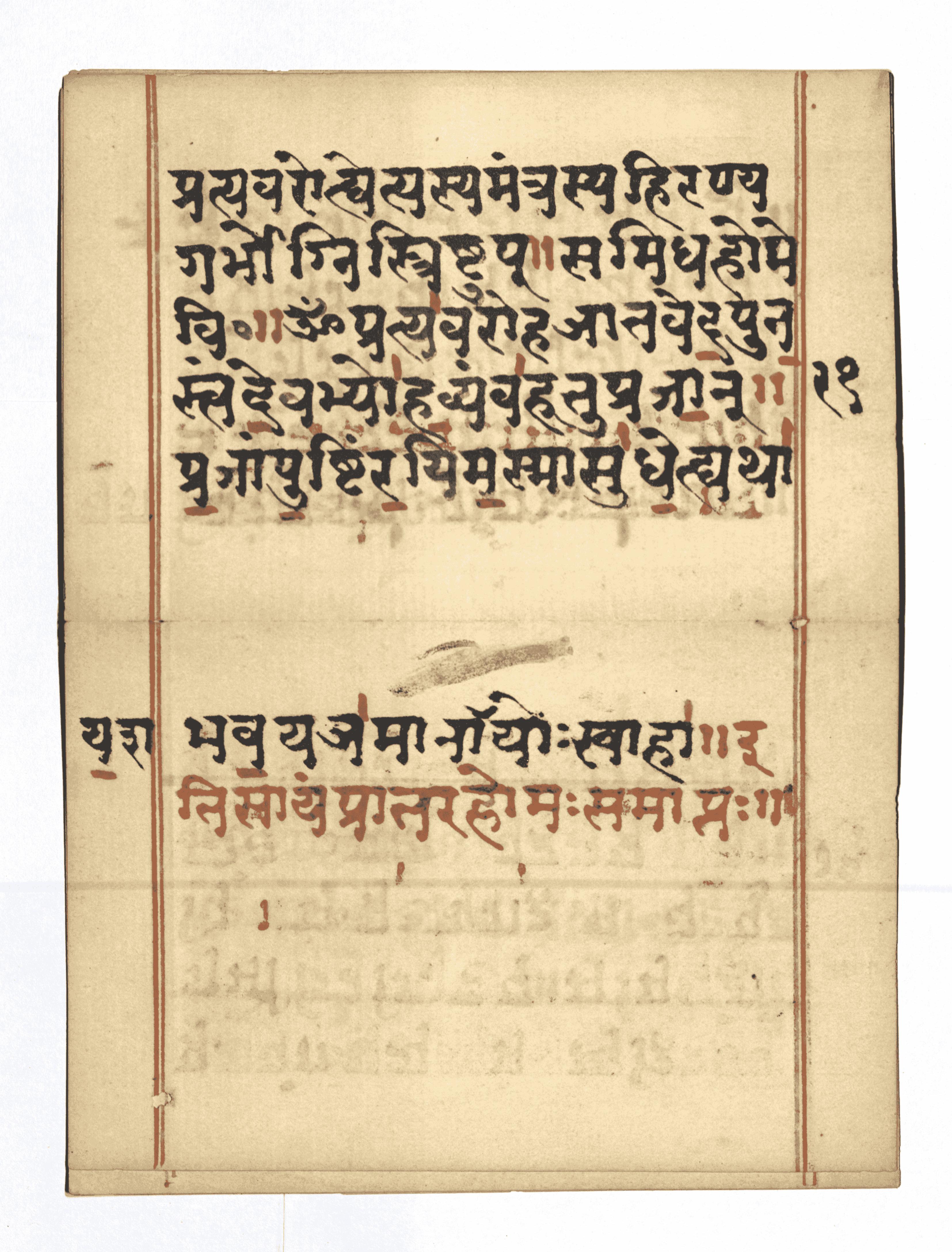


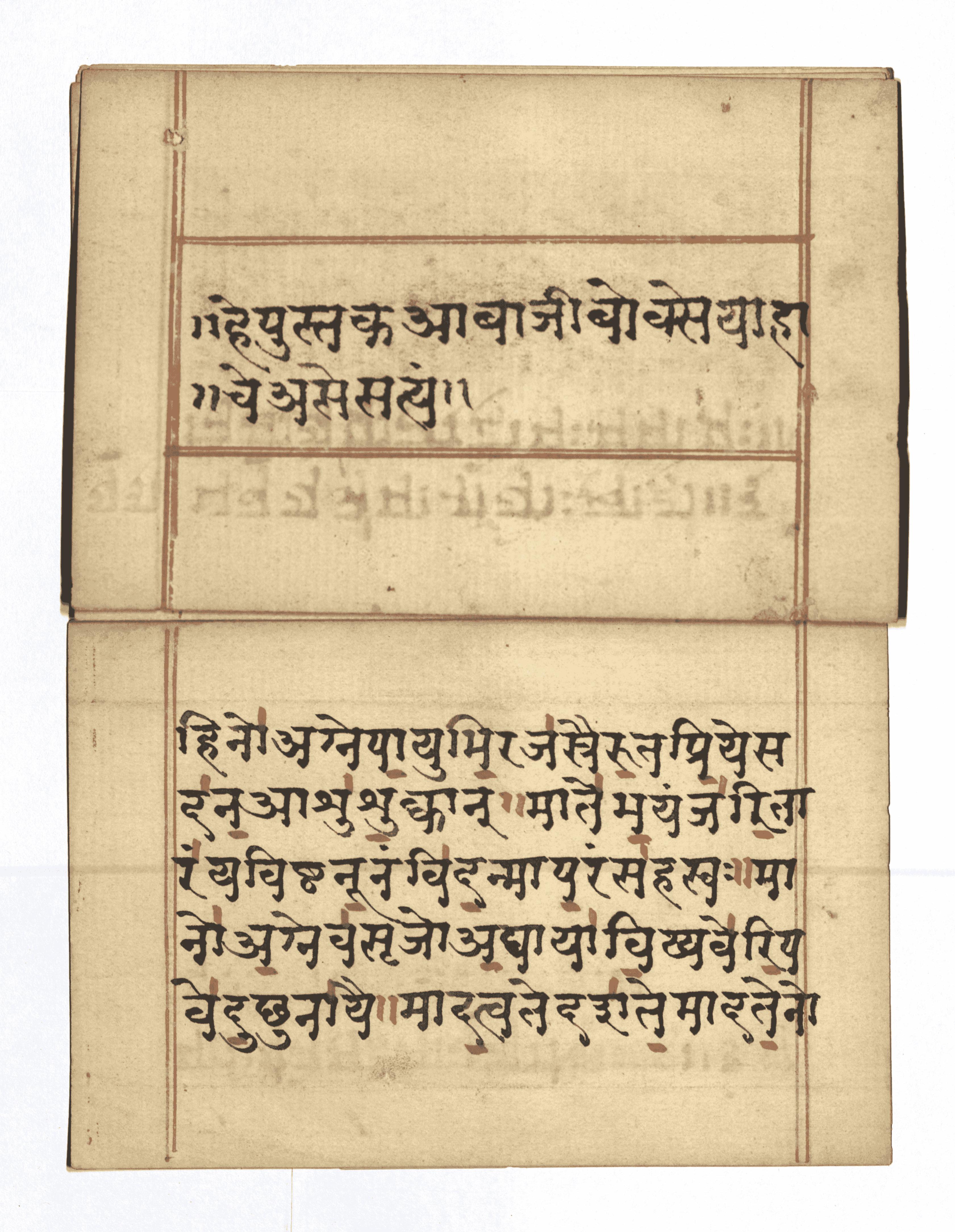
प्रात्र उपासना खेन कर्मणां तुन श्रीभगन्थ झर्पी प्रमेश्नर ध्री यतान ममा विद्यान में प्रदेश वेन में गर्ति पात्र हो में समाप्र प्रस्ते यस समाप्र स्रमेश्नर स्रमेश्नर

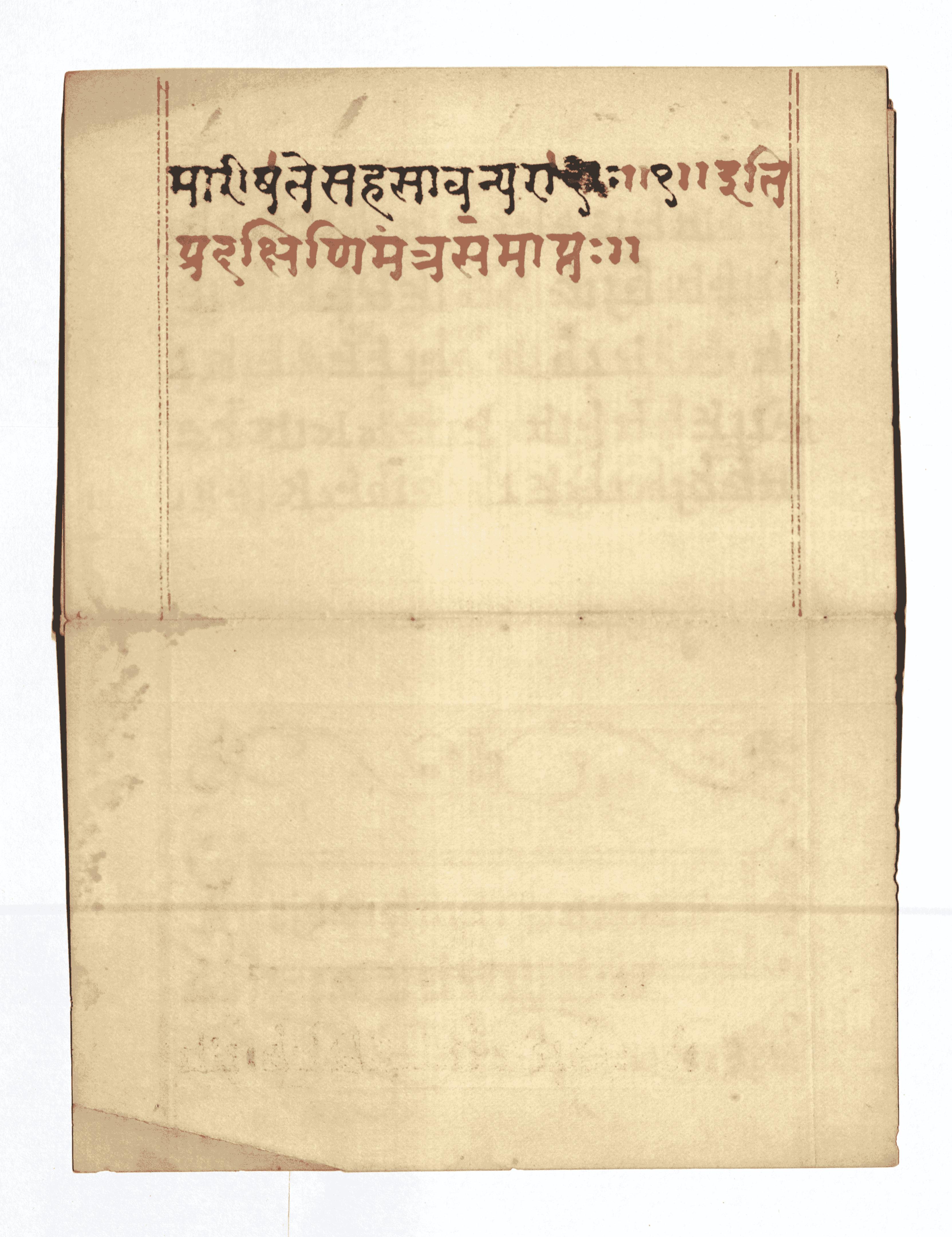


CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

विश्वाण यूम्य यूधी बहु लान उवीभ वाताका यूनन या यू राया आज मन् मसम्बुधाध्यमी बा अन्गिन् जा अभ्य चियायतो आते अतेच्याः॥ त जानगन आसीरायानाय यागिरः।यस्यस्याञ्अने नप्रात्यवास्वास्यनवम्या









```
[OrderDescription]
CREATED=18.07.19 16:04
TRANSFERRED=2019/07/18 at 16:14:31
,PAGES=22
,TYPE=STD
,NAME=S0001010
Book Name=M-2001-SAYMPRATARHOMA
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=0000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=0000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=0000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=0000009.TIF
,FILE10=0000010.TIF
FILE11=0000011.TIF
FILE12=0000012.TIF
FILE13=0000013.TIF
,FILE14=0000014.TIF
FILE15=0000015.TIF
,FILE16=0000016.TIF
,FILE17=0000017.TIF
,FILE18=0000018.TIF
```

FILE19=0000019.TIF

FILE20=00000020.TIF ,FILE21=00000021.TIF ,FILE22=00000022.TIF